>

Title: Reservation policy for SC/ST/OBC in the aftermath of judgement of Supreme Court of India on the writ petition of AIIMS faculty vs. Government of India.

अध्यक्ष महोदया : जो भी माननीय सदस्य अपने आपको इस मामले से संबद्ध करना चाहते हैं, वे अपने नाम सभा पटल पर भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, जो मामले सदन में उठाए गए हैं, मैं उनका समर्थन करता हूं। खासकर, तमिलनाडु के फिशरमैन को रिलीज होना चाहिए। मैं एक निवेदन आपसे करना चाहता हूं और मैंने कई बार आपको नोटिस भी दिया है। हाउस में एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण का मामला उठा। अल्तमस कबीर जो हमारे तत्कालीन चीफ जस्टिस थे, उनकी नई बैंच बैठी और उन्होंने फिर फैसला किया कि सरकार फैसला करे। यहां कमल नाथ जी बैठे हैं। यह 80 फीसदी पॉपुलेशन का मामला है। आप ने कहा था कि अगर कोर्ट से ठीक फैसला नहीं हुआ तो हम इस के लिए संविधान संशोधन कराएंगे। मैं मानता हूं कि आप ने भी सारे सदन के साथ कहा कि इस पर संविधान संशोधन होना चाहिए। अदालत ने लिख कर दिया कि सरकार तय करेगी। डीओपीटी ने जो ऑफिस मेमोरैन्डम निकाला, वह उन्हीं लोगों को दे दिया जिन्होंने लगातार उस बात को रोकने का काम किया।

यह पब्लिक सेक्टर से पूछना है। यह यूनिवर्सिटी से पूछना है। यह पूछना है सारे पब्लिक सेक्टर से। यह पूछना है कि आप बताइए कि यह सुपर स्पेशिएलिटी पोस्ट क्या हैं? यहां कपिल सिब्बल साहब ने बाक़ायदा कहा कि जो रिज़र्वेशन आज है, उसको हम किसी तरह से भी बदलने नहीं देंगे, हम कोर्ट में जा रहे हैं। कोर्ट ने फैसला दे दिया। कमल नाथ जी, आप ने भी उनकी ओर से इस सदन में कहा। यह इस सदन की अवमानना है। आपका डीओपीटी कौन होता है? क्या आप बाघ के सामने बकरी बांधना चाहते हैं? जिन लोगों ने सर्वनाश करके रखा है और यहां जो लोग बैठे हैं वे कभी भी इन 80 फीसदी लोगों की बात को नहीं उठाते। वे सबकी बात उठाते हैं, लेकिन हिन्दुस्तान के इन गरीब लोगों की बात उठाने का काम नहीं करते हैं।

अध्यक्ष महोदया, मैं आप से कहूंगा कि आपके सामने यह तय हुआ था कि इस पर संविधान संशोधन होगा। यह सरकार के हाथ में था। वर्ष 1971 का मामला उठाकर आज लाया जाता है। क्या-क्या हुआ है? महात्मा जी और बाबा साहब अंबेडकर के बीच जो समझौता हुआ, उस को तोड़ने का काम पहले दिन से हुआ है। अगर इसे नहीं करना है तो आप इसे खत्म कीजिए। आपने जबरदस्ती का ऐसा काम बनाकर क्यों दे दिया है जिसमें मिलता कुछ नहीं है और यहां पर माथा मारना पड़ता है। आप क्यों नहीं संविधान संशोधन का प्रस्ताव लाते हैं? यह डीओपीटी कौन होता है? क्यों इस ने उन्हीं लोगों को, जो इस काम को सप्रेस करने वाले हैं, इस काम को दबाने वाले हैं, इस काम को समाप्त करने वाले हैं, यह काम दे दिया। क्या हुआ बैकवर्ड क्लास का? क्या हुआ आपके बजट में? आप ने सब का नाम लिया। दो-तिहाई आबादी पिछड़े लोगों की है।

चिदम्बरम साहब, मैं रिज़र्वेशन से नहीं आया हूं। जैसे आप पढ़ कर आए हैं, वैसे मैं आया हूं। मैं फर्स्ट क्लास फर्स्ट हूं। मैं कभी रिज़र्वेशन से नहीं आया। लेकिन यह मामला सुषमा जी नहीं उठातीं, आप नहीं उठाते। मुझे तक़लीफ होती है कि मैं हर बार खड़ा होता हूं।

आप यह बताइए कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जो दत्तू साहब ने दिया है, यह फैसला तो आपके हाथ में दिया था। आप इस फैसले को क्यों दूसरों के हाथ में दे रहे हैं? आप क्यों इसे उन लोगों को दे रहे हैं? यह जो यूपीएससी है, यह भारतीय भाषाओं के बच्चों का सर्वनाश करती है। लेकिन आप बोलते नहीं हैं? नारायणसामी जी अभी यहां से चले गए हैं। आपने ऐसा क्यों किया? किस बात के लिए किया? क्या आप चाहते हैं कि यहां रण हो? आप इस रिज़र्वेशन को खत्म कीजिए। हम नहीं चाहते। आप महिला आरक्षण के मामले में तत्काल खड़े हो गए थे। यहां क्या सहमति हुई थी कि सब लोग मिल कर करेंगे। आप करके देखिए। हम कह रहे हैं कि हिन्दुस्तान की जो वास्तविकता है, उसे सौ फीसदी इनैक्ट कीजिए। महिलाओं को सौ फीसदी रिज़र्वेशन दीजिए। मैं पहला आदमी होऊंगा जो इस इस मामले पर खड़ा हूंगा। लेकिन आप मुट्ठी भर लोगों को रिज़र्वेशन दे कर इन पिछड़ी जातियों को खत्म करना चाहते हैं? जो दो-चार मुसलमान आते हैं, उनको खत्म करना चाहते हैं। आपने इसी सदन में जो आश्वासन दिया, आप क्यों इसे बदलना चाहते हैं? यह अंतिम सदन है। यह सदन चल नहीं पाता है, नहीं तो आपको पता चल जाए कि आप कितने हैं, हम लोग कितने हैं? लेकिन ये दर्द और तक़लीफ से भरे हुए हैं। इनके पास ज़ुबान नहीं है। ये बोल नहीं पाते हैं। आपकी सरकार, आपकी व्यवस्था रोज़ इनके साथ षडयंत्र करती है। इससे अच्छा है कि आप इसे खत्म कर दीजिए। आप क्यों इसे जबरदस्ती चलाकर रखते हैं? एक तरफ़ आप लोगों को बताते हैं कि ये उठ गए।

आप 4.5 परसैंट ग्रुप ए में देते हैं। पूरी की पूरी आबादी में एक ज्वाइंट सैक्रेट्री, सैक्रेट्री नहीं। यहां आप कहते हो कि ये कुछ लोगों ने खा लिया, खाने वाले बताओ। थाली में खाना नहीं रखते हो और बंटवारा करते हो। आप कहते हो कि इसका, उसका रिजर्वेशन करना है। आपने क्यों दिया? डीओपीटी ने ऑफिस मेमोरेंडम क्यों निकाला, किस से पूछ कर निकाला? मैंने प्रधान मंत्री जी को लिखा है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि यह अंतिम सत्र है, लेकिन अगली बार भी यह छोड़ा नहीं जाएगा। हम 40 साल से आ रहे हैं, फिर यहां आएंगे। ...(व्यवधान) आप इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकते। आप कांस्टीट्यूशन अमेंडमेंट लाइए। ...(व्यवधान) मुलायम सिंह जी, दारा सिंह जी, बालू जी, सब लोग कह चुके हैं कि संविधान संशोधन लाइए। सभी लोगों ने बोला है। हम लोग ज्यादा हैं। पार्टियों में फंसे हुए हैं, इसलिए लोग नहीं बोलते। ये सब जो आपके यहां भी बैठे हैं, वे मेरी बात पर चुपचाप ताली बजाते हैं। ऐसा मत सोचिए, आप दिल्ली तक बैठे हो। सब सूबों में साफ किया है, यहां भी नहीं छोड़ेंगे। चाहे आप कुछ भी कर लीजिए, लेकिन रिजर्वेशन के नाम पर हम लोगों को रोज ज़लील मत करिए। हम लोगों को रोज इस सदन में चिल्लाने के लिए खड़ा मत करिए। इसके जिम्मेदार आप हैं। आपने कहा था कि संविधान संशोधन सदन की इच्छा है, हम कर देंगे। आपने फिर से संविधान संशोधन की बेंच बैठा ली। फिर उसने कह दिया कि हमारा काम नहीं है, सरकार दे दे। आपने कास्ट सेंसस कराया। चार हिस्सों में आपने कर दिया। आप हमारी गिनती नहीं करना चाहते और चाहते हो कि देश चल जाए। आप ये बजट मुट्ठी भर लोगों के लिए लाते है, हमारे लिए इस बजट में कुछ नहीं है। थोड़ा-बहुत बाबासाहेब और महात्मा जी ने दिलाया था, उसको आप रोज छीनते हैं, छुड़ाते हैं दबाते हैं, और तबाह करते हैं। हम खड़े नहीं हो पाते। क्या इससे बड़ी कोई समस्या है? हजारों वर्ष से ये भुगत रहे हैं। हजारों वर्ष से दुख और तकलीफ में हैं। इनके लिए दर्द नहीं है। मन बदल कर समाज बदलेगा, लेकिन आपका मन बदलने को तैयार नहीं है। आपका मन बदलता नहीं है, इनका मन बदलता नहीं है। हम कितना ही बोलें। आपने कहा था, सभी ने कहा है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : हमने बोला।...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : आपने क्या बोला, आपने सब चीज बोली, लेकिन इस दर्द को आपने नहीं बोला।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप इधर देख कर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : ये बोलें, ये बोलते हैं और आप बोलते हैं।...(व्यवधान) सुषमा जी हमारे साथ रही हैं, लेकिन इनके मन में कभी दर्द नहीं हुआ। ...(व्यवधान) आप हमारे साथ रही हैं।...(व्यवधान) क्या बात कर रही हैं। मधुलिमये जी, डॉ. लोहिया और जयप्रकाश जी के द्वारा ही आप यहां बैठी हैं।

अध्यक्ष जी, सरकार तत्काल जवाब दे। आपकी नहीं चलेगी, सरकार बताए, इस पर डीओपीटी का जो नोटिस है, उसको वापस करो, आप तय करो। जब आपने कहा कि अभी का जो रिजर्वेशन है।...(व्यवधान) यह कास्ट सेंसस आपने चार हिस्सों में बांट दिया। स्टेट गवर्नमेंट, रूरल डेवेलपमेंट और अरबन डेवेलपमेंट को दे दिया। चिदम्बरम साहब यहां बैठे हैं, ये भले आदमी हो सकते हैं, अपना जन्म ये भूलते नहीं हैं। .ये इन्होंने पूरी तरह समाप्त कर दिया। आप हमारी गिनती करने को तैयार नहीं हैं, हमारी संख्या गिनने को तैयार नहीं हैं। आप महिलाओं के रिजर्वेशन की बात करते हैं। हिन्दुस्तान की महिला शादी-विवाह में जाति के चलते गुलाम है। उस जात को तोड़ो। मैंने कहा कि अंतरजातीय शादी वालों को सुरक्षा दे दो, आप नहीं देते। मां-बहन-बेटी के साथ जुल्म है, ये ऊपरी है। कितने ही कानून बना लो, ये खत्म नहीं होगा। हिन्दुस्तान में जाति के चलते मां को आपने गुलाम करके रखा है, जाति बना कर रखी है। इसलिए यह देश तबाह है। जाति ने तबाह किया। ये हजारों साल तक किसी के सामने जीत नहीं सके। इस पर कोई बात नहीं करता है। आप जातियों का लाभ उठाते रहते हैं। ये पूरी दिल्ली आपकी मुट्ठी में है। हर जगह आप हमें काटते हैं। क्यों आपने दिया?...(व्यवधान) डीओपीटी ने ऑफिस मेमोरेंडम क्यों दिया? कास्ट सेंसस के बारे में आपने क्या किया? आपकी क्या हालत है, ये बताइए? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैं यही आपसे कहूंगा, मुझे माफ करना, मैं बहुत तकलीफ में बोला हूं।

अध्यक्ष महोदया: अब आप सब अपने को इससे जोड़ लीजिए, क्योंकि हमें अब अंतरिम बजट कराना है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया:

श्री अजय कुमार,

श्री बदरूद्दीन अजमल,

श्री भूदेव चौधरी,

श्री महेश्वर हजारी,

श्री बैद्यनाथ प्रसाद महतो,

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्री पी.एल. पुनिया और

श्री शैलेन्द्र कुमार अपने आपको श्री शरद यादव जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैडम, इनको बुलवा दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: मुलायम सिंह जी, बहुत संक्षेप में बोल दीजिए। समय नहीं है, मुझे अन्तरिम बजट पास कराना है, बोलिये। मुलायम सिंह जी बोल रहे हैं। आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बोलिये।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, अभी माननीय शरद यादव जी ने जो सवाल उठाया, वह गम्भीर है और वह सवाल देश के लिए सबसे ज्यादा उचित होगा। लेकिन अब यह मत समझना, चाहे गरीब हों, चाहे पिछड़े हों, चाहे मुसलमान हों, चाहे दलित हों, इनको अब बहुत दिनों तक दबाया नहीं जा सकता है। अब उनमें जागृति आ गई है और जागृति ऐसी आ जायेगी, संसदीय कार्य मंत्री जी, कि आपको जीतना मुश्किल हो जायेगा। हम जीतेंगे, हम एक बार नहीं जीते हैं, जाने कितनी बार जीते हैं। 11 बार विधायक जीते और पांच बार पार्लियामेंट में जीते और अब फिर जीतकर आएंगे।

मैं आज कहना चाहता हूं कि सर्वदलीय बैठक हुई थी और सर्वदलीय बैठक में सब ने मिलकर तय किया था, सर्वसम्मति से तय हुआ था और सर्वसम्मति से तय होकर के हमने कहा था कि आप सीधे यहीं सदन में संशोधन पास कीजिए, लेकिन कपिल सिब्बल साहब बोले कि नहीं, सुप्रीम कोर्ट में जाएंगे। हमने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में राहत नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट राहत नहीं देगा, यहां कीजिए, बहाना मत कीजिए। उस दिन सर्वदलीय मीटिंग में भी कहा था और सदन के अन्दर भी कहा था, लेकिन आपके हाथों फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने आपको ही दे दिया, फिर जो शरद यादव जी ने कहा, वही मैं कह रहा हूं कि या तो हां करो या ना करो। फिर हम लोग मैदान में जाएंगे और हम मैदान में ऐसे जाएंगे कि आपको मुश्किल हो जायेगी। आप समझते हैं कि किसने इतने दिन राज किया, पूरा का पूरा 1947 के बाद कुछ वर्षों को छोड़ करके आपने किया है। अगर सबसे ज्यादा मुसलमानों को पीछे किसी ने किया है तो आपने किया है। ...(व्यवधान) सच्चर आयोग को किसने बैठाया था, माननीय प्रधानमंत्री जी और आपकी सरकार ने और वह रिपोर्ट किसके पास है, आपके पास है।

इसी तरह से मुसलमानों को परेशान करने और महिलाओं के बारे में जो मैंने कहा, उसमें भी एक षड़यंत्र है। मैं कह रहा हूं कि उसमें एक षड़यंत्र है। आप मुसलमानों को, पिछड़ों को, दलितों को अलग आरक्षण दीजिए, उनके लिए आरक्षण कीजिए। महिलाओं के बारे में भी यह षड़यंत्र है। आप सब षड़यंत्र ही षड़यंत्र करते जा रहे हैं। ऐसा मत समझना, अब हम लोग नासमझ नहीं रह गये और सब को कहना चाहते हैं कि नासमझ नहीं हैं, सब जागरूक हैं, चाहे माइनोरिटी के लोग हों, चाहे दलित हों। हम ऊंची जाति के गरीबों के भी पक्ष में हैं। अगर गिरी जाति के पक्ष में हैं तो ऊंची जाति के पक्ष में भी हैं, हम गरीबों के पक्ष में हैं। फिर आप बता दीजिए कि क्यों इसको नहीं कर रहे हैं, आपको साफ बात बतानी चाहिए, क्योंकि, यह अन्तिम सत्र का अन्तिम दिन है। हमको अब मौका नहीं मिलेगा, इसलिए अध्यक्ष महोदया, आप ही हस्तक्षेप कीजिए। यह सब के साथ बहुत षड़यंत्र है। आप दलितों के बारे में क्या जानते हैं, आप मुसलमानों के बारे में क्या जानते हैं, कभी गरीबों के मौहल्लों में गये और कभी पिछड़े गरीबों के मौहल्लों में गये, कभी दलितों में गये? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: धन्यवाद, मुलायम सिंह जी, अब समाप्त करिये।

श्री मुलायम सिंह यादव : उनको आप पीछे नहीं रख सकते। इसलिए मैं आपसे अपील करता हूं, ये सही कह रहे हैं कि आपने इतना राज किया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: अब आप समाप्त करिये। जो-जो इससे अपने को जोड़ना चाहते हैं, सम्बद्ध करना चाहते हैं, वे अपने को सम्बद्ध कर लें। आप इससे अपने को जोड़ लीजिए। हम अब सब को अलग-अलग नहीं बुलवा सकते हैं। हमें बजट पास करवाना है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : मैं आपसे अब भी कह रहा हूं कि सावधान हो जाइये। हम सरकार से अब भी कहना चाहते हैं कि आपसे 17 जातियों के बारे में मैंने कहा था, जो 17 जातियां हैं, जिनके बारे में आज सवाल उठा था, पहले भी मैंने आपसे 17 जातियों के बारे में बातचीत की। 17 जातियों को अभी तक कुछ नहीं मिला। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ठीक है। बहुत धन्यवाद। ऑनरेबिल मंत्री जी बोल रहे हैं, आप बैठिये। अब आप सुनिये, मुलायम सिंह जी। अब आप लोग भी सुनिये। वे बोल रहे हैं, खड़े हो गये।

श्री मुलायम सिंह यादव : आप कहते हैं कि हक दे दिया। आप बताइये कि बैकवर्ड जातियों के यू.पी. में कितने आई.ए.एस. हैं। यू.पी. में 550 में डायरैक्ट आई.ए.एस. में मुश्किल से 10-11 लोग हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: कमलनाथ जी बोल रहे हैं, अब आप सुनिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप भी बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : पी.सी.एस. में जरूर कुछ हो गये हैं। लेकिन पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर आज आई.ए.एस. कैडर के मुश्किल से 10 या 12 लोग हैं, 550 में।

अध्यक्ष महोदया: सिर्फ मंत्री जी की बात रिकार्ड में जायेगी, अब आप बैठ जाइये। He is speaking now.

*(Interruptions) â€¦ **

MADAM SPEAKER: We cannot have an open discussion. Are we going to have an open discussion, I want to know.

*(Interruptions) â€¦**

शहरी विकास मंत्री संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : मैडम, हमारा नजरिया, हमारा दृष्टिकोण, और हमारी नीयत बिल्कुल स्पष्ट है। ...(व्यवधान) जो भी कानून, जो भी संशोधन इसमें पास करना है, मैं सदन का समय बढ़ाने को तैयार हूं और इसको पास करने को तैयार हूं। ...(व्यवधान) आप सब तय कर लीजिए। ...(व्यवधान) हम कानून लायेंगे। ...(व्यवधान)

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Madam, we are ready. ...(*Interruptions*)